



सम्पादकीय

जंतर-मंत्र के दांव- पेच और बाहुबली

इस बार पहलवानों का दंगल जंतर-मंतर पर जमा था जी। जंतर-मंतर पर जोर-आजमाइश के लिए किसान तो इधर अक्सर ही पहुंचने लगे हैं। कई बार मजदूर भी पहुंचते हैं। सरकारी कर्मचारी भी पहुंचते हैं। छात्रों और युवाओं की सरकार के साथ जोर-आजमाइश तो जंतर-मंतर पर आए दिन होती ही रहती है। लेकिन पहलवानों का दंगल जंतर-मंतर पर पहली बार जमा था। वैसे तो जंतर-मंतर है ही दंगल की जगह। सरकार ने ही तय कर रखी है, कोई क्या करे। यहां पाले में एक तरफ होती है सरकार और दूसरी तरफ होते हैं उसके विरोधी। कई बार विरोधी नर्ही भी होते तो वे सरकार से कुछ-कुछ मांग जरूर रहे होते हैं। लेकिन हाथ फैलाकर नर्ही, मुझे बांधकर। दंगल की जगह होने के बावजूद जंतर-मंतर पर पहलवान पहले कभी नहीं पहुंचे थे। अलबत्ता कुशितयां वहां चलती रहती थीं। कई बार असली जीत-हार वाली भी और कई बार नूराकुशी भी। दाव असली भी होते थे, दांव नकली भी होते थे। इसके बावजूद पहलवान वहां नहीं होते थे। इस बार वहां पहलवान ही पहुंचे थे और असलीवाले ही पहुंचे थे। फिर खास बात यह कि वे पाले में सभी एक ही तरफ खड़े थे। दूसरी ओर तो बाहुबली थे। यह सच है कि फिल्म दंगल भी हिट हुई और फिल्म बाहुबली भी हिट हुई। लेकिन यहां पहलवान कह रहे थे कि हम पिट रहे हैं और बाहुबली कह रहे थे कि हम पिट रहे हैं। जबकि असल में न पहलवान ऐसा कहते हैं और न ही बाहुबली ऐसा कहते हैं। वो जो फिल्म बाहुबली के बाहुबली थे, वे सत्ताविरोधी थे। जबकि कायदे से बाहुबली या तो सरकार के साथ होते हैं या फिर सरकार उनके साथ होती है। जो बाहुबली सत्ताविरोधी होते हैं, उनकी गढ़ियां रासे में पलट जाया करती हैं या फिर वे जेलों की सलाखों के पीछे पाए जाते हैं और उनकी संपत्तियों पर बुलडोजर दौड़ा करते हैं। सत्ताधारी पहलवानों को भी अपने साथ ही लगाए रहते हैं और कई बार तो लोगों की शिकायत होती है कि पहलवान ही उन्हें सहारा देते हैं। लेकिन इस बार जो दंगल जमा था, उसमें सत्ता रेफरी की तरह बीच में खड़ी थी और उसकी एक तरफ पहलवान थे और दूसरी तरफ बाहुबली। सबसे पहली बात तो यह कि यह नूराकुशी नहीं थी। जोर-आजमाइश फुल थी। अब पहलवान थे तो उन्हें तो कुशी के दांव आते ही थे, लेकिन उन्हें राजनीति के दांव नहीं आते थे। उधर बाहुबली को सारे दांव आते थे। दंगल वाले भी और राजनीति वाले भी। सो उन्होंने जात बिरादरी से लेकर राजनीति तक सब की। फिर भी पहलवान अड़े रहे, डटे रहे। रेफरी ने उन्हें थपकी दी और बाहुबली की ओर आंखें तरेरी। पर हार-जीत अभी कोई हुई नहीं है।

1957 में नागा हिल्स असम का एक ज़िला बन गया। 1963 में आधिकारिक तौर पर राज्य का दर्जा दिया गया था और 1964 में पहले राज्य स्तरीय लोकतान्त्रिक चुनाव हुए थे। कब हुई नागा विद्रोह की शुरुआत? नागालैंड उत्तर पूर्व में सबसे पुराने विद्रोह का घर रहा है।

অসম, অৱৰণাচল প্ৰদেশ, মণিপুৰ আৰু বৰ্মা রাজ্য কৰি
সীমা মে ১৬ প্ৰযুক্ত জনজাতিয়ে আৰু বিভিন্ন উপ-জনজাতিয়ে
বৰ্সী হৰ্ষ হ'ল। নাগ জনজাতিয়ে কে হমেশা অসম আৰু ম্যাংমাৰ
মেঁ জনজাতিয়ে কে সাথে সামাজিক-আৰ্থিক আৰু
রাজনৈতিক সংবংধ থে। ১৮২৬ মেঁ ব্ৰিটিশ ইণ্ডিয়া কংফৰণে
নে অসম পৰ অধিকাৰ কৰ লিয়া। ১৮৯২ তক তুপসংস্কাৰ
ক্ষেত্ৰ কো ছোড়ক নাগালেঁড় পৰ অংগীজোঁ কা শাসন থা। ইসে
রাজনৈতিক রূপ সে অসম মেঁ মিলা দিয়া গৱা থা, জো লৰে
সময় তক বংগাল প্ৰান্ত কা হিস্সা থা। ১৯৫৭ মেঁ নাগালেঁড়
হিল্স অসম কা এক জিলা বন গৱা। ১৯৬৩ মেঁ আধিকাৰিক
তৌৰ পৰ রাজ্য কা দৰ্জা দিয়া গৱা থা আৰু ১৯৬৪ মেঁ পহলে
রাজ্য স্বৰূপ লোকতান্ত্ৰিক চুনাব হুৰ থে। কৰ হুৰ নাগা
বিদ্ৰোহ কী শুৰুআত? নাগালেঁড় উত্তৰ পূৰ্ব মেঁ সবসে পুনৰোৱা
বিদ্ৰোহ কা ঘৰ রহা হৈ। ভাৰত কী স্বত্বত্রা সে পহলে হৈ
নাগাওঁ দ্বারা এক সংপ্ৰযুক্ত রাষ্ট্ৰ কে বিচাৰ কী কল্পনা কী
গৈব থী। নাগালেঁড় নে ১৯৬৩ মেঁ রাজ্য কা দৰ্জা প্ৰাপ্ত কৰিয়া
আৰু আজ ইসমেঁ জনজাতীয় সমানতা কে আধাৰ পৰ
বিভাজিত ১৮ জিলে শামিল হৈ। নাগা বিদ্ৰোহ কী শুৰুআত
১৯৪৬ মেঁ নাগা নেশনল কংগ্ৰেস (ঠত) কে গঠন কে সাথে
হুৰী। সশস্ত্ৰ বিদ্ৰোহ কো রোকনে কে লিএ ১৯৫৩ মেঁ ভাৰতীয়
সেনা কে প্ৰবেশ কে পৰিণামস্বৰূপ পাৰ্টি নে নাগা সংঘীয় সেনা
(ঠতছ) নামক এক সশস্ত্ৰ শাখা কা গঠন কৰিয়া। নাগা
সংঘীয় সৱৰকাৰ (ঠতছ) নামক এক ভূমিগত সৱৰকাৰ ভী
বনাই গৈব থী। শান্তি কী দিশা মেঁ পহলা বড়া প্ৰিয়াস ১৯৭৫
মেঁ শিলাগ সমझীতে পৰ হস্তাক্ষৰ কৰনা থা। হালোক, শান্তি
সমझীতে কে কাৰণ এন-এন-সী কে ভীত বিদ্ৰোহ হুৱা, জিসকে
কাৰণ ১৯৮০ মেঁ এন-এস-সী-এন কী নৰ্ব পড়ী। নেশনল
সেশন্সিস্ট কাৰ্যসূলি আৰু নাগালেঁড় মেঁ পঢ়ী ফূট এন-এস-সী-এন
কে শীৰ্ষে নেতৃত্বোঁ কে বৌচ বিচাৰধাৰাওঁ কে অতৰ কে কাৰণ

1988 में समूह में विभाजन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप ठरउठ (ट) और ठरउठ (ड) का गठन हुआ। दोनों समूहों ने वर्तमान नागार्लैंड राज्य और असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और म्यांगांग के नामा बसे हुए क्षेत्रों के क्षेत्र के शामिल करते हुए एक संप्रभु नागालिम बनाने की मांग की आगे बढ़ाया। एनएस्सीएन आईएम को छोड़कर ये सभी समूह नगा नेशनल पॉलिटिकल ग्रुप्स (एनएनपीजी) की छतरी के नीचे काम करते हैं। उसी वर्ष ठरउठ (ट) में जेलियांगस द्वारा विभाजन के परिणामस्वरूप जेलियांग्रो-यूनाइटेड फ्रंट (ZUF) का गठन हुआ। लंबे समय तक हिंसा ने शांति की आशा का मार्ग प्रशस्त किया जब ठरउठ (IM) ने 1997 में भारत सरकार के साथ संघर्ष-विराम में प्रवेश किया, उसके बाद 2001 में ठरउठ (K) ने संघर्ष-विराम किया। गठन पर ठरउठ (KK) ने भी संघर्ष-विराम पर हस्ताक्षर किए। सरकार। 2012 में ठरउठ (K) ने म्यांगांग सरकार के साथ संघर्ष-विराम समझौता किया। इस समझौते ने म्यांगांग के सार्गंग प्रांत में लाहे, लेशी और नान्युन जिलों में एनएस्सीएन (के) स्वायत्ता प्रदान की। नागरिक समाज ने भी शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनएस्सीएन (के) ने एकतरफा रूप से संघर्ष-विराम समझौते को रख कर दिया। इस समूह के निर्णय के कारण एक और विभाजन हुआ और परिणामस्वरूप एनएस्सीएन (रिफर्मेशन) का गठन हुआ। एनएस्सीएन (के) ने उल्फा (आई), एनडीएफवी (एस) और केवाइकेएल के साथ मिलकर यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ वेस्टर्न एसएसीएन (यूएनएलएफडब्ल्यू) का गठन किया। एनएस्सीएन (के) ने उल्फा (आई), एनडीएफवी (एस) और केवाइकेएल के साथ मिलकर यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ वेस्टर्न एसएसीएन (यूएनएलएफडब्ल्यू) का गठन किया।

गठन के बाद से, समूह नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में हिंसा की कई घटनाओं में शामिल रहा है। इस वीच ठरउठ (वट) ने भारत सरकार के साथ एक 'शांति समझौते' पर हस्ताक्षर किए, जो स्पष्ट रूप से भविष्य की वार्ता/संकल्प के लिए 'ढांचा' निर्धारित करता है। नाग विद्रोहियों से जुड़े परिधीय मुद्दों में 2013 में करवाचों के साथ जातीय संघर्ष में एक अलग 'फ्रॉटियर नागलैंड' राज्य और नाग रेंगमा हिल प्रोटेक्शन फोर्स (ठप्पठद्डज) के लिए पूर्वी नाग पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (एचडड) की मांग शामिल है। अब क्या है स्थिति वर्तमान स्थिति जटिल और अनिश्चित है, प्रत्येक समूह अपने एजेंडे को मूर्ख रूप से आगे बढ़ा रहा है। मार्च 2015 में ठरउठ (ड) ने एकत्रण रूप से सीज फायर को निरस्त कर दिया। इसके बाद कोहिमा, तुण्णसांग और मणिपुर में हिंसक घटनाएं शुरू हो गईं। एसएफ द्वारा की गई अन्य कार्रवाइयों ने नागलैंड में कई एनएसीएन (के) कैडरों को निष्पाधारी कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप गुटों की युद्ध क्षमता में कमी आई। समूह बाद में यांगमार में स्थानांतरित हो गया और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ वेस्टर्न साउथ ईस्ट एशिया बनाने के लिए नेशनल डेमोक्रेटिक फेडरेशन 100 बोडलैंड (र) / यूनाइटेड लिबरेशन फ्रॉण्ट 100क असम(क) में शामिल हो गए। 15 जून को सीमा पार छापे के बाद एनएसीएन (के) के शिविरों पर लगाम लगाया गया। इस प्रकार एक भौगोलिक बफर बनाया गया और एसएफ के खिलाफ हिंसक कार्रवाइयों को अंजाम देने की उनकी क्षमता कम हो गई। समूह के अध्यक्ष खापलांग की 20 जून, 2017 को मृत्यु हो गई और खापलांग की मृत्यु के बाद पंथशील नागा और एक भारतीय नागरिक खांगों कोन्याक को संगठन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

रामचरितमानस सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं बल्कि जीवन दर्शन भी है

भारतीय वह कोरों प्रथं नहीं है बल्कि एक समूर्धा जीवनशैली है। संस्कारों एवं मूलों की पाशासना है। गमचिरितमानस में भारतीय गमकथा हो, किन्तु कवि का मूल उद्देश्य श्रीगम के चरित्र देखना। माध्यम से नैतिकता एवं सदाचार की शिक्षा देना रहा है। गमचिरितमानस भारतीय संस्कृति का वाहक महाकाव्य ही नहीं अपेतु विश्वजनीन आचारशास्त्र का बोधक महान्-ग्रन्थ भी है। वह मानव धर्म के सिद्धान्तों के प्रयोगात्मक पक्ष का आदर्श रूप प्रस्तुत करने वाला ग्रन्थ है। गमचिरित मानस हिंडुओं के लिए सिर्फ़ धार्मिक ग्रन्थ ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। मानस कोई पुस्तक नहीं, बल्कि मनुष्य देखने वाली निर्माण का विश्वविद्यालय है और लोगों के कार्य व्यवहार में इसे स्पृष्टा से देखा जा सकता है। वह मानने की बात नहीं कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने जीवन में मानस की चौपाई की और दोहों का पाठ न किया हो। इसलिए कहा जा सकता है कि गजनीति में इस समय हासिले पर चल रहे मौर्य ने चर्चा में रहने के लिए एक बेवजह का विवाद खड़ा किया है। गजनीति लाप के लिए जनभावनाओं का अपनान एवं तिरस्कार करने किसी भी कोण से अवृत्त नहीं। इसलिए मौर्य का ग्रबल विरोध भी ही रहा है। उनके पार्थी के ही लोग उनके विचारों से सहमति नहीं हैं। भारतीय गजनीति का वह दुर्भाग्य रहा है कि उससे जुटी गजनीता अक्सर विवादित व्यापों से अपनी गजनीति चमकाने की कुचेटा करते रहे हैं। लेकिन समझदार एवं अनुभवी गजनीति धार्मिक आस्थाओं पर चोट करने से बचते रहे हैं। मौर्य रामचिरित मानस पर विवादित टिप्पणी करने सिर्फ़ अपरिवर्त गजनीतिक सोच का परिचय दिया है बल्कि करोने वालों की भावनाओं को आहत किया है। बल्कि अपने सनातन संस्कारों को भी परिस्कर्त किया है। वह विडम्बना है कि गजनीता इस बात की करीब परवान हरीं करते कि उनके शब्दों व व्यापारों पर कानून लापार्नेंगे।

भारतीय राजनीति का
यह दुर्भाग्य रहा है कि
उससे जुड़े राजनेता
अक्सर विवादित बयानों
से अपनी राजनीति
चमकाने की कुशलता
करते रहे हैं। लेकिन
समझदार एवं अनुभवी
राजनेता धार्मिक
आस्थाओं पर चोट
करने से बचते रहे हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखा बदलते भारत का नया अंदाज

सरकार के मनचाहे जायज एवं नाजायज निर्णयों पर अंकुश स्वस्थ एवं पाददर्शी शासन एवं प्रशासन की अपेक्षा है। नियंत्रण एवं अनुशासन की इन्हीं अपेक्षित स्थितियों को लेकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार विवाद खड़े करती है।

राष्ट्रीय गौतम के अवसर गणतंत्र दिवस पर गणतंत्र दिवस परेड भारत की ताकत को पूरी दुनिया के सामने रखने का बड़ा अवसर होता है और इस बार परेड में पूरी दुनिया ने कर्तव्य पथ पर भारत की लगातार बढ़ती ताकत को देखा। गणतंत्र दिवस परेड में आयोजित किए गए रंगरंग कार्यक्रमों के अलावा देश की संस्कृति और परम्पराओं को प्रदर्शित करने के लिए निकाली गई ज्ञानियों तथा पूरे विश्व को भारत की ताकत दिखाने के लिए तीनों सेनाओं के जवानों द्वारा किए गए अनोखे करतबों ने हर किसी का मोह लिया। सही मायनों में इस वर्ष परेड में कर्तव्य पथ पर देश की सांस्कृतिक विरासत और सैन्य शक्ति की झलक स्पष्ट दिखाई दी। हालांकि इस वर्ष भी परेड के दौरान होने वाले आयोजनों में कुछ बदलाव किए गए थे। देश की आजादी के बाद लगातार दुसरी बार ऐसा हुआ, जब परेड 10 बजे के निरन्धित समय के बजाय आधे घंटे देरी से शुरू हुई। गणतंत्र दिवस परेड में पहले जहां सबा लाला लोग परेड देखने पहुंचते थे, वहां इस बार दर्शकों की संख्या काफी कम का दी गई थी और साथ ही वीआईपी अमंत्रित्र पास की संख्या में भी भारी कटौती की गई थी। हालांकि कविड काल में केवल 25 हजार लोगों को ही आमंत्रित किया गया था लेकिन इस बार कर्तव्य पथ पर भव्य गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए 45 हजार दर्शकों की ही अनुमति थी। वीआईपी मेहमानों की संख्या भी 12 हजार तक सीमित कर दी गई।

पेरेड में सेना की मार्चिंग ट्रकड़ियों से लेकर टैंक, तोप और बैंड के अलावा वायुसेना के फ्लाइपार्स्ट ने इस आर्थिक मणे चार चांद लगा दिए। कई विमानों के फ्लाइपार्स्ट के द्वारा भारत के लड़ाकू विमानों का शीर्ष पूरी दुनिया को देखने को मिला। कर्तव्य पथ पर देश की प्रगति और संस्कृति को दर्शानी सार्कृतिक झांकियां भी बदलते भारत के नए अदाज और अहसास का अनुभव कराती नजर आईं। गणतंत्र दिवस पेरेड के

A wide-angle photograph capturing a military parade. In the center, several green and yellow painted tanks are moving along a paved road. The tanks are positioned side-by-side, creating a sense of scale and power. To the left of the tanks, a large crowd of spectators stands behind a white fence, watching the procession. On the right, more spectators are visible, some standing and some sitting on the grassy embankment. The background features a dense line of trees under a clear blue sky. The overall atmosphere is one of a formal national event.

इन 50 एयरक्राफ्ट में बायुसेना के 45, नौसेना का 1 और थलसेना के 4 एयरक्राफ्ट शामिल थे, जिनमें 23 फाइटर जेट, 18 हेलीकॉप्टर, 8 मिलिट्री ड्राईसपोर्ट विमान के अलावा नौसेना का सभी पुराना टोही विमान आर्सेल-38 भी था। गणतंत्र दिवस रोडे में घली बार भरतीय बायुसेना की गरुड़ स्पेशल फोर्स में भी हस्ता लिया। कर्तव्य धर्म पर डेवरडेवलर्स ने तो अपने रहतअंगेज प्रदर्शनों से ही निकी को मंत्रविभाग बाइक पर डेवरडेवलर्स को कमाल के स्टॉट दिखाएँ और इस दौरान वे बाइक पर योग की मुद्राएँ करते भी दिखाएँ दिए। गणतंत्र दिवस रोडे ने इस बार देश की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विविधता के अनुठे मिश्रण करारबों के अधिकारी वाकर कर दिया जबाबाद करत्त्वात् जो पिछले दिन साथ रहते थे दिवस रोडे रोफेल रहा।

त की बढ़ती स्वदेशी भक्तियाँ, नारी शक्ति और हाथ-दृष्टि का विद्युत प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर देखा जाता है कि इस बार कर्तव्य पथ पर चुनौतं भारत की बुलंद तस्वीर स्पष्ट रूप से दिखाई दी। पहले जहां गणतंत्र दिवस समाप्ति में ब्रिटिश 25 पाउंडर गन से 21 तोपें से सलामी दी जाती थी, वहीं इस वर्ष पहली बार 21 तोपें की सलामी दी जाएगी। यह एप्रिल की भारतीय फैलेंग गन से दी गई। यह नवा बदल रक्षा क्षेत्र में बढ़ती भारतीय आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करता है। दरअसल राष्ट्रगान के पूरे 52 सैकेंड के समाप्ति को कवर करने के लिए प्रत्येक 2.25 सैकेंड पर तीन रास्तों में सात तोपें दागी जाती हैं, इसे ही 21 तोपें की सलामी कहा जाता है। 21 तोपें की सलामी हमारे राष्ट्रप्रति अतिथि राष्ट्राध्यक्षों को दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान भी है। परे दूसरे के दौरान भारतीय सेना द्वारा 3 अत्याधिक घटनाओं हथियारों का प्रदर्शन किया गया जिनमें तीन अजून-मारक बन टैक, एक नाम सिस्टम, केवे 9 बज-टी स्वचालित गन सिस्टम, दो वीएसए प्रैक्टिस मिसाइल, दो 10 मीटर के शॉर्ट स्पैन ड्रिफ्ट एक मोबाइल माइक्रोवेव नोड और मोबाइल नेटवर्क सेंसर दो आकाश मिसाइल सिस्टम इत्यादि शामिल थे। परे दूसरे के अत्याधिक घटनाओं को देखा जाता है, जिसे इस वर्ष के आखिर में रिटायरमेंट कर दिया गया। यह विमान नौसेना में अपनी 42 वर्ष की सेवा में पहली वर्ष पर उड़ान भरता दिखाया दिया। यह एक ठोटी विमान विद्युत संरचना के हार मूल्यमंतर की जानकारी देता आया है। गणतंत्र की विद्युत संरचना को बेहतर तरीके से अभियांत्र देता आया है। गणतंत्र की विद्युत संरचना को बेहतर तरीके से अभियांत्र देता आया है।

वर्टिकल चार्ली ड्रिल को अंजाम देता नजर आया। बायुसेना के फ्लाईपास्ट में अलग-अलग फाइटर प्लेन करतब दिखाते हुए, हर बार अलग-अलग फॉर्मेशन में उड़ान भरते हैं और हर फॉर्मेशन का एक अलग नाम होत है। इस बार अलग-अलग फॉर्मेशन में कुल 8 राफेल विमानों ने परेड में हिस्सा लिया और हमेशा की तरह फ्लाईपास्ट को दो हिस्सों में बांटा गया। पहले भाग में ह्यारॉचंडल ने विभिन्न संरचनाओं को प्रदर्शित किया, जिसके बाद विमान तिरंगा, ध्वज, रुद्र और बाज फॉर्मेशन में अपना प्रदर्शन दिखाया। उसके बाद तंगेल, वजरांग, गरड़, नेत्रा, भीम, अमृत, त्रिशूल और विजय इत्यादि विभिन्न संरचनाओं को प्रदर्शित करते नजर आए। पहले हिस्से में ध्वज फॉर्मेशन में 4 एमआई-17 1वी/ वी5 हेलीकॉप्टरों ने भारतीय ध्वज और तीनों सेना के ध्वज लेकर सुप्रीम कमांडर के सामने से उड़ान भरते हुए उड़ने सैल्यूट किया। तत्पश्चात डायमंड फॉर्मेशन में उड़ान भरते हुए थलसेना के अटैक हेलीकॉप्टर ने डायस के सामने से उड़ान भरी और फिर 3 मिं-29 विमानों ने बाज विंग फॉर्मेशन के प्लाई-पास्ट की सुरुआत व्याघ्र व्याघ्र लाइट कॉर्पस हेलीकॉप्टर प्रचंड की अभिवाही में दो अपाचे और दो एलएच मार्क 4 के एरो फॉर्मेशन में उड़ान भरते हुए हुईं। उसके बाद सारांग फॉर्मेशन में 5 एलएच सारंग हेलीकॉप्टर द्वारा कलर छोड़ते हुए कर्तव्य पथ के ऊपर से गुजरे। तंगेल फॉर्मेशन में विटेंज एयरक्राफ्ट डकोटा और 2 डोनिर विमान, वजरांग फॉर्मेशन में 1 सी-130 और 4 राफेल, गरड़ फॉर्मेशन में नीसेना के आईएल-38 और 2 एएन 32, नेत्रा फॉर्मेशन में 1 अवाक्स और 4 राफेल, भीम फॉर्मेशन में 1 सी-17 और 2 सुखोई-30, अमृत फॉर्मेशन में 6 जग्युआनों ने उड़ान भरी। इसके बाद 3 सुखोई-30 त्रिशूल फॉर्मेशन बनाते हुए आसमान में गायब हो गए और फिर फ्लाईपास्ट के शो स्टारफार राफेल द्वारा वर्टिकल चार्ली बनाते हुए परेड के द्वारान कर्तव्य पथ पर भारत की सैन्य ताकत के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक झलक भी दिखाई दी।

કાર્યાલય નગર પાલિકા પરિષદ ભિંડ, જિલા-ભિંડ (મ.પ્ર.)

ક્રમાંક/ફેટેન્ડરિંગ/નિર્મણ/2023/295

ભિંડ, દિનાંક 24/01/2023

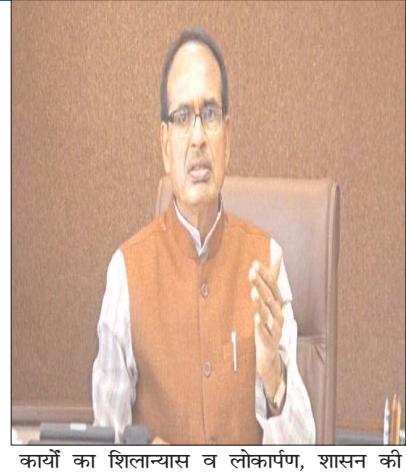
ઇન્વિદા આમંત્રણ વિચારિ

સમસ્ત કેન્દ્રીયકૃત મંજૂરીનારી ઠેકેદારોને કોણેદારોને એટદું દ્વારા સૂચિત કિયા જાતો હૈ કે નગર પાલિકા પરિષદ ભિંડ કોન્સિન્ઝ કાર્ય કે લિએ નગરીય પ્રશાસન એવં વિકાસ વિભાગ કે ચાલ સી.એસ.આર. દિનાંક 2 અમસ્ત 2021 કી અનુસરી કે પ્રતિશત દર આધાર પર (ફાર્મ 2.10 પર) <https://www.mptenders.gov.in> પર અનેલાંન નિવિદાએં આર્મિન્ટ કી જાતી હૈનું।

| ક્ર. | નિવિદા આમંત્રણ કા પ્રકાર | કાર્ય કા નામ | અનુમાનિત લાગત | ઘોહર રાશિ | નિવિદા પ્રપત્ર શુન્ક | ઠેકેદાર કી શ્રેણી | કાર્ય અવાચિ |
|------|--------------------------|---|----------------|-----------|----------------------|-------------------------------------|-------------|
| 1. | 2023_uad_246602_1 | પ્ર. ક્ર. 1383/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 01 મેં સીસી રેડ મય સીસી ડેન નિર્માણ કાર્ય ગમનાથ નગર મેન રેડ સે ગમન સિહુ ખર્દીયા તક। | 15,99,776.00/- | 15998/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 2. | 2023_uad_246602_2 | પ્ર. ક્ર. 1394/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 01 મેં સીસી રેડ મય વિક ડેન નિર્માણ કાર્ય સાકેત નગર મેં અંદર રેડ સે પ્રોદ શર્માં તક। | 15,23,347.00/- | 15240/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 3. | 2023_uad_246602_3 | પ્ર. ક્ર. 1379/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 07 મેં સીસી રેડ મય ડેન નિર્માણ કાર્ય છોડું જાનેન સે ચૌહાન તક। | 9,74,826.00/- | 9750/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 4. | 2023_uad_246602_4 | પ્ર. ક્ર. 1373/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 09 મેં સીસી રેડ મય ડેન નિર્માણ કાર્ય સ્વરાજ એંજોસે સે અજાવ સિહુ તક। | 10,71,931.00/- | 10720/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 5. | 2023_uad_246602_5 | પ્ર. ક્ર. 1415/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 09 મેં સીસી રેડ મય ડેન નિર્માણ કાર્ય હેમ સિહુ સે સંતાળમ ઓઝા તક। | 3,43,533.00/- | 3440/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 6. | 2023_uad_246602_6 | પ્ર. ક્ર. 1398/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 12 મેં સીસી રેડ નિર્માણ કાર્ય હારિસિંગ કાંલોની ડૉ. પૂજુ અગ્રવાલ વાતી ગણી મેં બલ્લુ જૈન સે રાજુ ખર્દીયા તક। | 8,20,733.00/- | 8210/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 7. | 2023_uad_246602_7 | પ્ર. ક્ર. 1414/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 13 મેં સીસી રેડ મય ડેન નિર્માણ કાર્ય હારિસિંગ કાંલોની અઝોસ તિવારો, ગરતા જૈન સે પુરેસ જૈન પિપરી વાતી ગણી એવં અન્ય ગાલ્યો મેં। | 8,28,356.00/- | 8284/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 8. | 2023_uad_246602_8 | પ્ર. ક્ર. 1665/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 24 મેં સીસી રેડ મય ડેન નિર્માણ કાર્ય મારાદીની ફૌંસી સે કેમેરોશ જાટવ તક। | 4,31,289.00/- | 4320/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 9. | 2023_uad_246602_9 | પ્ર. ક્ર. 1403/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 24 મેં સીસી રેડ મય ડેન નિર્માણ કાર્ય મેન રેડ। | 15,22,661.00/- | 15230/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 10. | 2023_uad_246602_10 | પ્ર. ક્ર. 1486/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 25 મેં સીસી રેડ મય સીસી નાની નિર્માણ કાર્ય સ્પેશિયલ નગર કુલતીવી પેટેલન પસ કે સામાન્ય વાતી મેં બુજરાગ સિહુ કે મકાન સે પણુ કે મકાન તક। | 12,78,204.00/- | 12790/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 11. | 2023_uad_246602_11 | પ્ર. ક્ર. 1402/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 25 મેં સીસી રેડ મય ડેન નિર્માણ કાર્ય ગણેશ કાંલોની મે રાજા જોબે સે વેંસ્ટ્રેન્ડ ખર્દીયા તક। | 12,70,778.00/- | 12710/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 12. | 2023_uad_246602_12 | પ્ર. ક્ર. 1401/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 26 મેં સીસી રેડ મય સીસી ડેન નિર્માણ કાર્ય પચ્છા હારુસ સે બાસ ગુર્જર તક। | 10,98,994.00/- | 10990/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 13. | 2023_uad_246602_13 | પ્ર. ક્ર. 1400/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 26 મેં સીસી રેડ મય સીસી ડેન નિર્માણ કાર્ય નરેશ જાટવ સે ગમપ્રકાશ બેનેલ તક। | 8,64,750.00/- | 8650/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 14. | 2023_uad_246602_14 | પ્ર. ક્ર. 1660/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 26 મેં સીસી રેડ મય સીસી ડેન નિર્માણ કાર્ય વર્ધ સે શિવસિહ કુશવાહ તક। | 16,05,190.00/- | 16060/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 15. | 2023_uad_246602_15 | પ્ર. ક્ર. 1663/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 27 ખિંડિકિયા મોહલ્લા સ્ટેશન પાસ તોડકર નગર નાની પણ હાડસ નિર્માણ કાર્ય। | 2,58,738.00/- | 2590/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 16. | 2023_uad_246602_16 | પ્ર. ક્ર. 1382/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 27 મેં સીસી રેડ મય સીસી ડેન નિર્માણ કાર્ય વાતોશ શર્મા સે સામુનાયિક ખબન સે બલ્લુ ગરાત તક। | 12,43,857.00/- | 12440/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 17. | 2023_uad_246602_17 | પ્ર. ક્ર. 1664/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 28 મેં સીસી રેડ મય સીસી ડેન નિર્માણ કાર્ય ગીતા ખબન વાતી ગણી। | 12,16,538.00/- | 12170/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 18. | 2023_uad_246602_18 | પ્ર. ક્ર. 1658/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 29 મેં સીસી રેડ મય સીસી નાની નિર્માણ કાર્ય ભેરવ વાત માર સે સેંગ કે મકાન તક। | 9,84,694.00/- | 9850/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 19. | 2023_uad_246602_19 | પ્ર. ક્ર. 1396/2022X3/4 કે અંતર્ગત વાર્ડ ક્રમાંક 30 મેં સીસી રેડ મય નાની નિર્માણ કાર્ય ચંદ્રકાશ શરીર સે આશારામ બેનેલ સે ગોળી કુશવાહ તક। | 6,98,221/- | 6990/- | 2000/- | કેન્દ્રીયકૃત પીડલબ્લૂડી રંજસ્ટ્રેશન | 03 માહ |
| 20. | 202 | | | | | | |

विकास यात्रा ५ फरवरी से २५ फरवरी तक निकाली जायेगी

ग्वालियर। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि राज्य शासन द्वारा विकास और जनकल्याण के माध्यम से स्वराज के लक्षणों को हासिल करने की सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी करी में आगामी ५ से २५ फरवरी तक विकास यात्राओं का आयोजन किया जायेगा। विकास यात्राएं, जिले के सभी ग्रामों एवं नगर निगम सहित सभी नगरीय निकालों में पहुँचेंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सुनियोजित और प्रभावी ढंग से विकास यात्राएं आयोजित करने के लिए रूट चार्ट तैयार करने के साथ-साथ राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत सभी तैयारियां जल्द से जल्द पूर्ण करें। कलेक्टर सिंह ने कहा कि शहरी क्षेत्र के लिये नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिये सोईओ जिला पंचायत आशीष तिवारी प्रभारी अधिकारी रहेंगे। विकास यात्राओं के दौरान विकास



कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण, शासन की

शासकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले को निगम ने किया नोटिस जारी



ग्वालियर। निगम दिवस कार्यों ब्रिज के पास रोड डिवाइडर को लापत्रवाही पूर्वक बाहन चलाते हुए ठारीपुर बजरिया निवासी कमलेश श्रीवास्तव द्वारा शासकीय करियर दिया गया था। निगम द्वारा उहें धारा २७९ के तहत नोटिस जारी कर क्षति की भरपाई करने के लिए दिए हैं। नोटिस अधिकारी रोहित तिवारी ने बताया कि २२ जनवरी २०२३ को हाउस नंबर २०६ ठारीपुर बजरिया निवासी कमलेश श्रीवास्तव द्वारा लापत्रवाही पूर्व इंद्रियां करते हुए काल्पी ब्रिज के पास रोड डिवाइडर में टक्कर माने से रोड डिवाइडर नवनिर्मित रैलिंग एवं डिवाइडर में लगे पेड़ पौधों को शत्रियस्त किया गया। इस कारण निगम सम्पत्ति को काफी द्वानि पहचाँ गई है। लापत्रवाहीपूर्वक बाहन संचालन से जनहानि की भी पूर्ण संभावना थी। मोटर व्हीकल एक्ट १९८८ के साथ-साथ भारतीय दड़ सहित की धारा २७९ के अंतर्गत आपाधिक श्रीणि में आता है। दो दिवस के अंदर संबंधित द्वारा वर्तमान बाजार मूल्यांकन से भरपाई नहीं की गई तो उक्त धारा के तहत कार्यवाही की जाएगी।

अतिम छोर के व्यक्ति के सपनों को पूरा करना कांग्रेस का लक्ष्य: डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। १६ ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वार्ड २९ में डी-३ गोविंदपुरी माता मंदिर के पास, वार्ड २३ में सकारी मल्टी-सुरेश नगर एवं वार्ड १९ में सेनापति गार्डन जड़ुआ रोड में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित गांधी चौपाल में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने जनता को संबोधित करते हुये कहा कि महात्मा गांधी ने अदिसा का रासा अपाधिक अंगों को भारत छोड़े पर मजबूर किया और समाज के अंतिम छोड़े के व्यक्ति के सपनों को पूरा करने का माध्यम से दिखाया। हजारों कांग्रेस जनों और नौजवानों के बलिदान से देश आजाद हुआ और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कहा कि हमें अपने कार्यकर्तमों के माध्यम से भाजपा की कर्नी और कथितों को जनता के बीच उजागर करना है। गांधी चौपाल कार्यक्रम में शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने अध्यक्ष डॉ. देवन्द्र शर्मा ने कहा कि उन्होंने देश के कांग्रेस पार्टी ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो सभी वर्षों का समान करते हुये साथ लेकर चलती है। गांधी चौपाल कार्यक्रम में मोनू रजक,

माहौल है और नफरत फैलाने का काम भाजपा द्वारा किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी देश में भाजपा बनाये रखने के लिये काम करती रही है और देश व सर्वहारा वर्ग के विकास और

ओमप्रकाश प्रजापति, सुनील चंद्रवंशी, मुकेश चौरसिया, विजय मौरी, हर्षन्द नगर, भगवान दाम कुशवाह, दीलत खान, सानू राजावत आदि मौजूद रहे। गांधी चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से शहर आयोजित किया गया। डॉ. देवन्द्र शर्मा, जिला संगठन मंत्री सुनील यादव, कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष चतुर्भुज धनेश्वर, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष मीनू परिहार, ब्लॉक अध्यक्ष परिजन राधाराम, प्रेमसिंह यादव, पर्वत यादव, सारद यादव, तामर, पार्षद श्रीमती कमलेश बलवीर तोमर, पार्षद प्रेमद खेर, श्रीमती सीमा श्रीमती भारद्वाज, प्रेमसिंह यादव, रामसेवक माथूर, मन्दलम अध्यक्ष सदीप यादव, रामौतर जाटव, रामसेवक माथूर, मन्दलम अध्यक्ष लोकपाल रामेश्वर तोमर, सागरनारी आदि मौजूद रहे।



उत्थान के लिये कार्य करी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो सभी वर्षों का समान करते हुये साथ लेकर चलती है। गांधी चौपाल कार्यक्रम में मोनू रजक,

शर्मा, श्रीमती संजना राजावत, श्रेष्ठ तोमर, श्रीमती रेनू चौहान, श्रीमती कर्मा ठाकर, श्रीमती नीतू चौहान, श्रीमती आशा गौर, योगेन्द्र सिंह नोनेगा, बृजेन्द्र तोमर, सागरनारी आदि मौजूद रहे।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी आये, दतिया में मां पीतांबरा के किये दर्शन



ग्वालियर। देश के परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को दतिया में पीतांबरा पंडित के दर्शन करने वाले अंगों में आयोजित चिकित्सा कार्यक्रम का साथ-साथ भारतीय दड़ सहित की धारा २७९ के अंतर्गत आपाधिक श्रीणि में आता है। दो दिवस के अंदर संबंधित द्वारा वर्तमान बाजार मूल्यांकन से भरपाई नहीं की गई तो उक्त धारा के तहत कार्यवाही की जाएगी।



नितिन गडकरी सोमवार दोपहर को ग्वालियर आये और ग्वालियर आकर दतिया गये। यहां उन्होंने मां पीतांबरा और वनवरण्डेश्वर मन्दिर में पूजा अर्चना की। दतिया में मंत्री गडकरी के साथ गुहमंत्री

में श्री गडकरी ने न्यू कोतावली से मां पीतांबरा पीठ तक ओवर ब्रिज तथा मां पीतांबरा मंदिर के उत्तर गेट से एयरपोर्ट तक सड़क को डबल और सुमिजित बनाये जाने की घोषणा की।

गिरेंगे नहीं तो खड़े कैसे होंगे :ऊर्जा मंत्री

ग्वालियर। कभी भी परीक्षा में असफल होने से हताश मत हो, क्योंकि जब तक हम गिरेंगे नहीं तो खड़े कैसे होंगे। आज मैं आपके सामने खड़ा हूँ मैं भी परीक्षा में असफल हुआ हूँ, लिकिन धैर्य के कारण सफलता को हासिल करने वाला पाया। इसके बाद उन्होंने आयोजित चिकित्सा कार्यक्रम को साथ-गुहमंत्री

मंडल अध्यक्ष, बृजमोहन शर्मा, प्रयाग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार इश्का पुरस्कार- स्कूल तथा शासकीय गलर्स स्कूल तथा तीसरा पुरस्कार - राजवर्धन राठौर - ग्रीन बुड़ स्कूल को मिला। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरसवाती जी की पुजा कर कार्यक्रम का प्रारंभ अंतिमियों द्वारा किया गया इस अवसर पर ६१० छात्र-छात्राओं द्वारा ऐटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। १० सर्वश्रेष्ठ, २५ श्रेष्ठ पुरस्कारों प्रदान किए गए एवं सभी प्रतिभागी बच्चों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम प्रभारी अरुण कुलश्रेष्ठ, धर्मेंद्र राणा, डॉ. वंदना धुपेन्द्र प्रेमी द्वारा अंतिमियों द्वारा जूरी के सदस्यों को पुष्प गुच्छ भेट कर उनका अभिनंदन किया गया। दतिया में प्रत्यक्षारों से चर्चा सुनिजित बनाये जाने की घोषणा की।



तोमर, मनमोहन पाठक उपस्थित रहे

महिलायें आत्मनिर्भर बनेंगी तो प्रदेश व देश भी आत्मनिर्भर बनेगा : भारत सिंह

ग्वालियर। स्व-सहायता समूहों में संगठित होकर आत्मनिर्भरता की प्रेरणादारी साथ लिख रहीं महिलाओं का विशाल सम्मेलन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को उत्तरांशी के खालीपाली में आयोजित हुआ। पोष-एफफैट (प्राधनमंत्री सुमित्रा खाद्य, उद्यम उत्तरांशी) एवं राशीय ग्रामीण अधिकारी प्रभारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रभुदयाल जौरे, प्रदेश प्रवक्ता अनुग्राध सिंह एवं अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की प्रतिभागी महिलाओं ने एक दूसरे के लिये जिला कांग्रेस अध्यक्ष विनोद कुमार जैन, राजेश बाबू, कैलाश चावला, अपिषेक शर्मा, गणपत शाक्त, चेतन भारव, धीरज ढींगरा आदि उपस्थित थे।



ग्वालियर। कांग्रेस ने सोमवार को गोरखी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की १२५वीं जयंती पर प्रसिद्ध स्थल पर नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की। जयंती कार्यक्रम में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवन्द्र शर्मा, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रभुदयाल जौरे, प्रदेश प्रवक्ता अनुग्राध सिंह एवं अंतर्गत आयोजित किया गया। इदं अवसर पर कार्यक्रम की खाते में सरकार की विभिन्न योजनाओं के खाते में सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग ४ करोड़ १० लाख रुपये की राशि पहुँचाई गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि काल तक लाइवर की परिवार की मरीज अपनी जीवनभरता की अवधि बढ़ावा दिया गया। जिला प्रदेश व देश आत्मनिर्भर बनने के लिये जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव ने की। सोमवार को यहां विकास योजनाओं से जुड़ी महिलाओं ने